राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 18 नवम्बर • 2021

सीएसए में बागवानी सम्मेलन आज से

राज्यपाल करेंगी उद्घाटन

चार दिवसीय सम्मेलन में होगा कृषि वैज्ञानिकों का सम्मान

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.डीआर सिंह के नेतृत्व एवं पद्मश्री डॉ. केएल चड्ढा की उपस्थिति में 18 से 21 नवम्बर तक होने वाले चार दिवसीय वागवानी सम्मेलन का उद्घाटन कल गुरुवार को प्रातः 10 वजे कैलाश भवन में होगा। उद्घाटन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीवेन पटेल वर्चुअल रूप से करेंगी। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री उच्च शिक्षा नीलिमा कटियार रहेंगी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी नई दिल्ली के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों एवं सोसाइटी की स्मारिका आदि का आभासी विमोचन भी कुलाधिपति द्वारा किया जाएगा।

उद्घाटन सत्र में सोसाइटी के विभिन्न क्रियाकलापों एवं उद्यानकी की जानकारी सोसाइटी के वाइस प्रेसीडेंट डॉ. एसके सिंह द्वारा दी जायेगी।

कार्यक्रम में वागवानी के क्षेत्र में कार्य करने वाले विभिन्न वैज्ञानिकों एवं पूर्व शिक्षकों, शोधार्थियों तथा युवा वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

आयोजन सचिव एवं निदेशक शोध डॉ. एचजी प्रकाश तथा सह-आयोजक सचिव एवं विभागाध्यक्ष उद्यान विज्ञान डॉ. वीके त्रिपाठी ने वताया कि तकनीकी सत्र में डॉ. एनपी सिंह सदस्य कृषि लागत एवं मूल्य आयोग द्वारा भारतीय कृषकों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फलों एवं सब्जियों के निर्यात को वढ़ावा देने के वारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उद्घाटन सत्र के वाद विषयगत तकनीकी सत्र शुरू होंगे। जिसमें देश के प्रख्यात उद्यानविद एवं उत्कृष्ट कृषि वैज्ञानिकों द्वारा अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। ज्ञातव्य हो कि तकनीकी सत्र ऑफलाइन एवं आभासी दोनों मोड में संचालित होंगे।

बृहस्पतिवार • 18.11.2021

अमरउजाला 05

वन डिस्ट्रिक्ट वन क्रॉप का फार्मूला लागू करे सरकार

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार को वन डिस्ट्रिक्ट वन क्रॉप का फार्मूला लागू करना होगा। रोड मैप बनाना होगा ताकि पता चल सके कि किस शहर में किस फसल की मांग ज्यादा है। ये बातें बुधवार को सीएसए में पद्मश्री केएल चड्ढा ने कही।

उन्होंने कहा कि हॉर्टिकल्चर के क्षेत्र में रोग रहित पौधा एक चुनौती है। इसके लिए फर्टिलाइजर को 5 से 6 किस्तों में देना और फसल प्रबंधन बेहतर करना होगा। अभी क्लाइमेट चेंज की समस्या आ रही है, इससे निपटने के लिए प्लांटिंग सिस्टम चेंज करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बागवानी के क्षेत्र में स्किल्ड मैनपॉवर तैयार करना जरूरी है आजकल तो कुछ वैज्ञानिक ऐसे हैं, जिनको जमीनी काम ही नहीं आता। उन्होंने कहा कि इस साल 332 मिलियन प्रोडक्शन आम का हुआ है। अपनी आय बढ़ाने के लिए हमें बाहरी देशों के फलों पर भी ध्यान देना होगा। बागवानी के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश पांचवें नंबर पर है, बुंदेलखंड को विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी नई दिल्ली की ओर से आयोजित बागवानी सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य बागवानी के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों, कमियों और अंतर को पता लगाकर उनको दूर करना है। फसलों की पोषण ताकत बढ़ाना, बंजर भूमि को विकसित करना, हाईटेक तकनीक का उपयोग करने समेत अभी कई क्षेत्रों पर काम करना जरूरी है। वार्ता में कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह मौजूद रहे।

पद्मश्री केएल चड्ढा बोले, रोड मैप से पता चलेगा कि किस जिले में किस फसल की मांग

जानकारी देते पद्मश्री केएल चड्ढा (दाएं) और सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह। संवाद

बागवानी सम्मेलन आज, राज्यपाल करेंगी वर्चुअल उद्घाटन

कानपुर। सीएसए में 18 नवंबर से शुरू होने वाले चार दिवसीय बागवानी सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल वर्चुअल माध्यम से करेंगी। वह सीएसए और भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी नई दिल्ली के वैज्ञानिकों की लिखित पुस्तकों और सोसाइटी की स्मारिका का आभासी विमोचन भी वह करेंगी। मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉ. डीआर सिंह, पद्मश्री डॉ. केएल चड्ढा की उपस्थिति में होने वाले सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री नीलिमा कटियार होंगी। बागवानी क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, पूर्व शिक्षकों, शोधार्थियों और युवा वैज्ञानिकों को पुरस्कार दिए जाएंगे। साथ ही फलों और सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के बारे में बताया जाएगा। (संवाद)

इफ्को ने दिया लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

पद्मश्री चड्ढा को मंगलवार देर शाम इफ्को ने लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया। उन्हें गोल्ड मेडल और 25 लाख की नकद धनराशि दी गई। इनको फादर ऑफ एग्रीकल्चर भी कहा जाता है।

हिन्दुस्तान
कानपुर • गुरुवार • 18 नवंबर, 2021

कानपुर-आसपास

वन डिस्ट्रिक-वन क्रॉप योजना जरूरी: डॉ. चड्ढा

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

पद्मश्री व फादर ऑफ हार्टिकल्चर कहे जाने वाले डॉ. केएल चड्ढा ने कहा कि यूपी में हार्टिकल्चर को सुधारने के लिए वन डिस्ट्रिक्ट-वन क्रॉप योजना तैयार करनी जरूरी है। इसके लिए पूरा रोडमैप तैयार करना होगा। जिन जिलों में जो फसल अच्छी होती है, उसे वरीयता देकर सरकार खरीदार बने। नई वैरायटी के लिए वैज्ञानिकों का जल्दी-जल्दी तबादला घातक है, इसे रोकने की जरूरत है।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय बागवानी सम्मेलन में आए भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी के चेयरमैन डॉ. केएल चड्ढा ने पत्रकारों से बातचीत में हार्टिकल्चर की समस्या व उपलब्धि पर चर्चा की। कहा, चार वर्षों में उत्पादन तेजी से बढ़ा है। अब न्यूट्रीशन सिक्योरिटी पर ध्यान देना जरूरी है। हर फल व सब्जी में ऐसी वैरायटी तलाशनी होगी जो अधिक से अधिक न्यूट्रीशन दे सके। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के कारण प्लांटिंग सिस्टम चेंज करने की आवश्यकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि वे नई वैरायटी में स्वाद, न्यूट्रीशन संग स्वरूप को भी वरीयता दें। डॉ. चड्ढा ने कहा कि प्रदेश में हार्टिकल्चर का 1.8 फीसदी का ग्रोथ है लेकिन वह काफी कम है।

पत्रकारों से रूबरू पद्मश्री डॉ. केएल चड्ढा।

उद्घाटन राज्यपाल करेंगी

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरुवार से चार दिवसीय बागवानी महासम्मेलन होगा। शुभारंभ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल वर्चुअल माध्यम से करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री नीलिमा कटियार, विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह, डॉ. केएल चड्ढा समेत अन्य वैज्ञानिक मौजूद रहेंगे। भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. एसके सिंह ने बताया कि कार्यशाला के निष्कर्ष की रिपोर्ट केंद्र व प्रदेश सरकार को सौंपी जाएगी।

दैनिक जागरण
कानपुर, 18 नवंबर, 2021

बागवानी फसलों का रोडमैप तैयार करे सरकार : डा. केएल चड्ढा

बागवानी विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष ने कहा, वन डिस्ट्रिक्ट वन क्राप पर हो काम

जासं, कानपुर : बागवानी फसलों का रोडमैप तैयार होना चाहिए। मौजूदा स्थिति को देखते हुए अभी फसलों को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। किन-किन शहरों में कौन-कौन सी फसलों का उत्पादन बेहतर है, इन पर सरकार के जिम्मेदारों को काम करना होगा। तभी हम देश के अंदर बागवानी फसलों का उत्पादन और किसानों की आय बढ़ा सकेंगे। बुधवार को ये बातें भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष पद्मश्री डा. केएल चड्ढा ने कहीं। वह चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि (सीएसए) आए थे और पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा, वह सीएसए में गुरुवार से होने वाले चार दिवसीय भारतीय बागवानी कांग्रेस 2021 सम्मेलन को संबोधित करेंगे। फिर इस सम्मेलन से जो सुझाव मिलेंगे, उन्हें सरकार को भेजेंगे। फादर आफ हार्टीकल्चर के नाम से मशहूर डा. चड्ढा ने कहा, यूपी में जिस तरह एक जिला, एक उत्पाद की योजना को लागू किया गया, ठीक वैसे ही एक शहर, एक फसल की योजना तैयार होनी चाहिए। उन्होंने विभिन्न शहरों की प्रसिद्ध फसलों को भी गिनाया, हालांकि कहा अभी हमारे वैज्ञानिकों को अच्छी स्किल की जरूरत है। वार्ता के दौरान सीएसए के कुलपति डा. डीआर सिंह, जोधपुर कृषि विवि के पूर्व कुलपति डा. बलराज सिंह, डा. खलील खान उपस्थित रहे।

सीएसए में बागवानी सम्मेलन को लेकर पत्रकारों से बात करते पद्मश्री डा .केएल चड्ढा (मध्य में)। साथ में कुलपति डीआर सिंह व डॉ .बलराज सिंह (बाएं से दाएं) ● जागरण

सीएसए में चार दिवसीय सम्मेलन आज से, राज्यपाल करेंगी उद्घाटन

जासं, कानपुर: सीएसए में गुरुवार से चार दिवसीय बागवानी सम्मेलन शुरू होगा। मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल वर्चुअल रूप से जुड़कर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। वहीं, विशिष्ट अतिथि के तौर पर उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार मौजूद रहेंगी। विवि के कुलपति डा . डीआर सिंह ने बताया कि नौवें भारतीय बागवानी कांग्रेस सम्मेलन 2021 में पद्मश्री डा . केएल चड्ढा भी मौजूद रहेंगे। उनके अलावा 500 से अधिक वैज्ञानिक जुड़ेंगे।

इफको से मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड: सीएसए के कुलपति डा. डीआर सिंह ने बताया कि डा. केएल चड्ढा को इफको की ओर से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया है। इसमें उन्हें 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिला है। इससे पहले डा. चड्ढा को 20 से अधिक पुरस्कार मिल चुके हैं।

आइआइपीआर में बागवानी फसलों को लेकर कार्यशाला आज

कानपुर (वि.): किसानों व एफपीओ समितियों से जुड़े प्रतिनिधियों को बागवानी फसलों के प्रति जागरूक करने के लिए गुरुवार को भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (आइआइपीआर) में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन होगा। बुधवार को यह जानकारी जिला उद्यान अधिकारी सीपी अवस्थी ने दी। उन्होंने बताया कार्यशाला का आयोजन उप्र राज्य औद्यानिक सहकारी विपणन संघ (हाफेड) व उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा किया जा रहा है।

Sign in to edit and save changes to this file.

वन डिस्ट्रिक्ट, वन क्रॉप को मिले वरीयता, बाजार भी दे सरकार

इफ्को ने पदमश्री डा. के.एल. चड्ढा को दिया लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड

वार्ता करते पद्मश्री डॉ. के.एल.चड्ढा, कुलपति डा. डी.आर.सिंह व अन्य।

कानपुर, 17 नवम्बर। पद्मश्री व फादर ऑफ हार्टिकल्चर कहे जाने वाले डॉ. के.एल. चड्ढ़ा ने कहा कि यूपी में हार्टिकल्चर को सुधारने के लिए वन डिस्ट्रिक्ट-वन क्रॉप योजना तैयार करना जरूरी है। इसके लिए सरकार को पूरा रोडमैप तैयार करना होगा। जिन जनपदों में जो क्रॉप की पैदावार अच्छी होती है, उसे वरीयता देकर सरकार फसल की खरीदार बनने के साथ बिक्री के लिए बाजार भी उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि नई वैरायटी के लिए कृषि वैज्ञानिकों का जल्दी-जल्दी तबादला किये जाने से बड़ा नुकसान हो रहा है है, इसे रोकने की जरूरत है। वह आज शाम चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरूवार से शुरू होने वाले 9वीं भारतीय बागवानी कांग्रेस-2021 के सम्मेलन में शिरकत करने के लिए शहर आये हुए थे। बुधवार को भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी के चेयरमैन डॉ. केएल चड्ढ़ा ने पत्रकारों को बताया कि चार दिवसीय 9वीं बागवानी सम्मेलन में हार्टिकल्चर की समस्या व उपलब्धि पर विस्तार से चर्चा होगी। उन्होंने कहाकि पिछले चार वर्षों में बागवानी के क्षेत्र में उत्पादन काफी तेजी से बढ़ा है, पर अब न्यूट्रीशन सिक्योरिटी को ध्यान देने की आवश्यकता है। अब हर फल व सब्जी में ऐसी वैरायटी तलाशनी होगी जो अधिक से अधिक न्यूट्रीशन दे सके। उन्होंने कहाकि वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के कारण प्लांटिंग सिस्टम चेंज करने की आवश्यकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि वे नई वैरायटी में स्वाद, न्यूट्रीशन के साथ स्वरूप को भी वरीयता दें। डॉ. के.एल. चड्ढ़ा का कहना है कि उत्तर प्रदेश में हार्टिकल्चर का 1.8 फीसदी का ग्रोथ है, जोकि काफी कम है। लेकिन भौगोलिक व उर्वरकता को देखते हुए यूपी हार्टिकल्चर में सर्वोच्च होना चाहिए। साथ ही बागवानी की दृष्टि में देश में यूपी का पांचवें स्थान पर है। हार्टिकल्चर में अभी लीडरशिप की कमी आ रही है, जिसका प्रभाव गलत होगा। इफ्को की ओर से डॉ. चड्ढ़ा को एक दिसंबर को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार भी दिया जाएगा, जिसमें 25 लाख रुपये धनराशि दी जाती है। वार्ता में सीएसए के कुलपति डा. डी.आर. सिंह, पूर्व वीसी डा. बलराज सिंह आदि मौजूद रहे।

चार दिवसीय बागवानी सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी राज्यपाल

कानपुर । सीएसए के कैलाश भवन के सभागार में गुरुवार से चार दिवसीय (18 से 21 नवम्बर) बागवानी महासम्मेलन का आयोजन होगा। इसका शुभारंभ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल वर्चुअल माध्यम से करने के साथ संबोधन भी देगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री नीलिमा कटियार, सीएसए के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह, पदमश्री डॉ. के.एल. चड्ढ़ा समेत अन्य वैज्ञानिक मौजूद रहेंगे। भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. एस. के. सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला के निष्कर्ष की रिपोर्ट केंद्र व प्रदेश सरकार को सौंपी जाएगी। बागवानी सम्मेलन में देशभर के 300 वैज्ञानिक शामिल होंगे और 500 से अधिक वैज्ञानिक, शोधार्थी वर्चुअल रूप में जुड़ेंगे।

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद व हल्द्वानी से प्रकाशित

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 31, अंक 312, पृष्ठ 14, मूल्य : 3 रुपये

राज्यपाल आज करेंगी बागवानी सम्मेलन का उद्घाटन

अमृत विचार, कानपुर

सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के नेतृत्व एवं पदम डॉ. केएल चड्ढा की उपस्थिति मे चार दिवसीय (18-21 नवंबर) 9वीं बागवानी सम्मेलन का उद्घाटन गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित कैलाश भवन के प्रेक्षागृह में होगा। जिसका उद्घाटन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया जाएगा। जबकि कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री उच्च शिक्षा एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी नीलिमा

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जहां होना है आयोजन।

कटियार भौतिक रूप से कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी नई दिल्ली के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों एवं सोसाइटी की स्मारिका आदि का आभासी विमोचन भी कुलाधिपति द्वारा किया जाएगा। तत्पश्चात कार्यक्रम की मुख्य अतिथि का आभासी

कार्यक्रम

- युवा वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को किया जाएगा सम्मानित

उद्बोधन होगा। उद्घाटन सत्र में सोसाइटी की विभिन्न क्रियाकलापों एवं उद्यानकी की जानकारी के बारे मे विस्तार से सोसाइटी के वाइस प्रेसिडेंट डॉक्टर एस के सिंह द्वारा बताया जाएगा। इस अवसर पर बागवानी के क्षेत्र में कार्य करने वाले विभिन्न वैज्ञानिकों/पूर्व शिक्षकों/ शोधार्थियों तथा युवा वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्यो हेतु विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। स्थानीय आयोजक सचिव एवं निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश तथा सह- आयोजक सचिव एवं विभागाध्यक्ष उद्यान विज्ञान डॉ धीके त्रिपाठी ने बताया कि तकनीकी सत्र में डॉ एन पी सिंह सदस्य, कृषि लागत एवं मूल्य आयोग द्वारा भारतीय कृषकों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फलो एवं सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उद्घाटन सत्र के बाद विषय गत तकनीकी सत्र शुरू होंगे। जिसमें देश के प्रख्यात उद्यानविद एवं उत्कृष्ट कृषि वैज्ञानिकों द्वारा अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। ज्ञातव्य हो कि तकनीकी सत्र ऑफलाइन एवं आभासी दोनों मोड में संचालित होंगे।

Sign in to edit and save changes to this file.

लखनऊ संस्करण
वर्ष-06, अंक - 26
गुरुवार, 18 नवंबर 2021
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु*
लखनऊ, नोएडा, इटावा और देहरादून से प्रकाशित

Azadi Ka Amrit Mahotsav

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

For epaper → www.updainikbhaskar.com

कुलाधिपति आज करेंगी, चार दिवसीय बागवानी सम्मेलन का आभासी उद्घाटन

भास्कर न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के नेतृत्व एवं पदम डॉ. के एल चड्ढा की उपस्थिति में चार दिवसीय (18-21 नवंबर) 9वीं बागवानी सम्मेलन का उद्घाटन गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित कैलाश भवन के प्रेक्षागृह में होगा। जिसका उद्घाटन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलाधिपति एवं प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा वर्चुअल किया जाएगा।

जबकि कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री उच्च शिक्षा एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी नीलिमा कटियार भौतिक रूप से कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी नई दिल्ली के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों एवं सोसाइटी की स्मारिका आदि का आभासी विमोचन भी कुलाधिपति द्वारा किया जाएगा। तत्पश्चात कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महोदया का आभासी उद्बोधन होगा। उद्घाटन सत्र में सोसाइटी की विभिन्न क्रियाकलापों एवं उद्यानकी की जानकारी के बारे में विस्तार से सोसाइटी के वाइस प्रेसिडेंट डॉक्टर एस के सिंह द्वारा बताया जाएगा। इस अवसर पर बागवानी के क्षेत्र में कार्य करने वाले विभिन्न वैज्ञानिकों/पूर्व शिक्षकों/शोधार्थियों तथा युवा वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। स्थानीय आयोजक सचिव एवं निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश तथा सह- आयोजक सचिव एवं विभागाध्यक्ष उद्यान विज्ञान डॉ वीके त्रिपाठी ने बताया कि तकनीकी सत्र में डॉ एन पी सिंह सदस्य, कृषि लागत एवं मूल्य आयोग द्वारा भारतीय कृषकों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फलों एवं सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उद्घाटन सत्र के बाद विषय गत तकनीकी सत्र शुरू होंगे। जिसमें देश के प्रख्यात उद्यानविद एवं उत्कृष्ट कृषि वैज्ञानिकों द्वारा अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। ज्ञातव्य हो कि तकनीकी सत्र ऑफलाइन एवं आभासी दोनों मोड में संचालित होंगे।